अमर उजाला | राजधानी/अवध | amarujala.com

अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनेगा अयोध्या एयरपोर्ट, कवायद शुरू

बढ़ेगा दायरा, एयरपोर्ट के लिए 600 एकड़ और कर्मचारियों के आवासीय क्षेत्र के लिए 15 एकड़ भूमि की जरूरत

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। अयोध्या एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाने के लिए योगी सरकार ने कवायद शुरू कर दी है। अप्रैल 2017 तक अयोध्या एयरपोर्ट का विकास दो चरणों में करने की योजना बनाई गई थी। इसके लिए हुए टेक्नो-इकनॉमिक सर्वे में पहले चरण में एटीआर-72 विमानों के लिए विकसित किया जाना था। इसमें रन-वे की लंबाई 1680 मीटर रखी जानी थी। दूसरे चरण में ए-321, 200 सीटर विमानों के संचालन के लिए एयरपोर्ट विकसित होना था। इसमें रन-वे की लंबाई 2300 मीटर प्रस्तावित थी। बाद में सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस एयरपोर्ट को बोइंग-777 विमानों के योग्य बनाने और इसका नाम बदलने की घोषणा की थी। इसके बाद भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने पिछले साल पांच मई को भौतिक सर्वे करने के बाद संशोधित रिपोर्ट प्रस्तुत किया।

संशोधित रिपोर्ट के मुताबिक पहले चरण में ए-321 विमानों के संचालन के लिए 463.10 एकड़ जमीन की आवश्यकता होगी। इसमें रन-वे की लंबाई 3,125 मीटर और चौड़ाई 45 मीटर होगी। दूसरे चरण में बोइंग 777 जैसे बड़े विमानों के संचालन के लिए 122.87 एकड़ जमीन की अतिरिक्त आवश्यकता होगी। इसमें रन-वे की लंबाई 3,750 मीटर और चौड़ाई 45 मीटर होगी। वहीं, एयरपोर्ट के संचालन व सुरक्षा से जुड़े कर्मचारियों के आवासीय क्षेत्र के लिए अलग से 15 एकड़ भूमि की जरूरत बताई गई। इस तरह एयरपोर्ट के लिए कुल 600 एकड़ जमीन की आवश्यकता होगी।

अयोध्या डीएम को अनुमानित खर्च का प्रस्ताव देने के निर्देश

प्रदेश के नागरिक उड्डयन विभाग के निदेशक सुरेंद्र सिंह ने अयोध्या के जिलाधिकारी को एयरपोर्ट के लिए पहले और दूसरे चरण के लिए चिह्नित भूमि का इलाकावार, गाटावार क्षेत्रफल और मूल्यांकन कराकर अनुमानित राशि का प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। उन्हें आवासीय क्षेत्र के लिए भी एयरपोर्ट के तीन किलोमीटर के दायरे में जमीन चिह्नित कर इसका भी प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

अक्तूबर से शुरू होगा नींव खुदाई का काम : चंपत

राममंदिर के लिए पहले एक पाइल फाउंडेशन की होगी टेस्टिंग

निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने देखा डिजाइन, मौके पर लगाए गए निशान

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्रिव चंपत राय ने सोमवार को कहा कि राममंदिर निर्माण के लिए नींव खोदाई का काम अक्तूबर से शुरू हो जाएगा। नींव में 1200 खंभे लगाए जाएंगे। इसमें अभी एक महीने का समय लग सकता है। सबसे पहले परीक्षण के तौर 100 फीट गहराई में एक मीटर व्यास के खंभे को तैयार किया जाएगा। यह टेस्टिंग पाइलिंग होगी। फिर मशीनों से इसकी ताकत नापी जाएगी। एक महीने में इसकी रिपोर्ट आने के बाद अक्तूबर मध्य से सभी खंभों को गाड़ने का काम शुरू होगा। उन्होंने बताया कि सभी का मत है कि मंदिर में नींव की आयु मंदिर के पत्थर की आयु से ज्यादा रखी जाए। इसीलिए सॉइल-सिट्टी की ताकत व आयु को लेकर टेस्ट चल रहा है।

श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य राममंदिर निर्माण के लिए नींव खोदाई अभी शुरू नहीं हुई है। नींव की 1200 पाइलिंग में पहले एक पाइल (कुएं के आकार का पिलर) फाउंडेशन बनाकर 15 अक्तूबर तक टेस्टिंग का लक्ष्य है। राममंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी नृपेंद्र मिश्र और ट्रस्ट के महामंत्रिव चंपत राय ने सोमवार को परिसर में तीन घंटे तक एलएंडटी के इंजीनियरों के साथ हजारों साल तक अक्षुण्ण रहने वाले राममंदिर के नींव निर्माण की डिजाइन देखने के साथ सभी तकनीकी दृष्टिकोण पुख्ता करने के निर्देश दिए। ब्यूरो